

डैनियल की पुस्तक - क्रमांक एक सौ चवालीस

संयुक्त राज्य अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के पतन का भविष्यसूचक महत्त्व

Jeff Pippenger

2024-03-18

संयुक्त राज्य अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी का पतन बाइबिल की भविष्यवाणियों का एक विशिष्ट विषय है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका के आठवें और अंतिम राष्ट्रपति से संबद्ध भविष्यसूचक विशेषताओं में से एक है। यह उस भविष्यसूचक गतिशीलता से जुड़ा है जिसमें आठवें राष्ट्रपति, जो सात में से है, को पशु की मूर्ति का मस्तक बनाया जाता है। विश्व में पशु की मूर्ति द्विगुणी है, फिर भी त्रिगुणी। यह इसलिए द्विगुणी है कि यह कलीसिया और राज्य के संयोजन का प्रतिनिधित्व करती है; पर यह त्रिगुणी भी है, क्योंकि यह दस राजाओं (शासन-कौशल) से बनी है, जिन्हें प्रधान राजा (कलीसियाई शासन) द्वारा निर्देशित किया जाता है। उस पशु पर सवारी की जाती है और उस पर एक ही मस्तक का शासन है—वही आठवाँ मस्तक, जो सात में से है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु की प्रतिमा द्विविध है, फिर भी त्रिविध। यह द्विविध इस अर्थ में है कि यह चर्च और राज्य के संयोजन का प्रतिनिधित्व करती है, परंतु यह त्रिविध भी है, क्योंकि यह एक धर्मत्यागी गणतांत्रिक सींग (राजकौशल) से बनी है, जिसे एक धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंट सींग (चर्च-शासन) निर्देशित करता है। उस पशु पर एक ही सिर सवार है और वही उस पर शासन करता है—वह आठवाँ सिर है, जो सातों में से ही है।

दोनों ही स्थितियों में, मुखिया एक पूरी तरह का तानाशाह है। उसकी तानाशाही जिस संदर्भ में स्पष्ट रूप से चित्रित होती है, वह इतिहास का वह काल है जब पृथ्वी का पशु अजगर की तरह बोलता है, क्योंकि "बोलना" पृथ्वी के उस पशु का प्रमुख लक्षण है। यह 1776, 1789, 1798, 1863, 2001 और 2021 में बोला, और वह फिर बोलने ही वाला है, जब शीघ्र आने वाले रविवार के क़ानून के समय प्रतिमा पूरी तरह बन जाएगी।

पौलुस के दिनों में ही 'अधर्म का रहस्य', जो पापाई सत्ता था, काम कर रहा था; पर उसे मूर्तिपूजक रोम का अजगर रोके हुए था। 1798 और 1799 में उसी अजगर ने 'अधर्म का मनुष्य' को सत्ता से हटा दिया, पर 1989 में रोम के पोप ने सोवियत संघ के अजगर को पराजित कर दिया। संपूर्ण भविष्यद्वानी का इतिहास अंत तक पापाई सत्ता को अजगर के साथ युद्धरत दिखाता है। रोम का पोप वही तानाशाह है जिसे अंतिम दिनों में अजगर, पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता की तिहरी एकता के दुष्ट गठबंधन का सिर बनाकर ऊँचा उठाया जाना है। बहन वाइट ने कहा, "एक ही सिर के अधीन—पापाई सत्ता," और भजनकार भी यह बताता है कि दस राजा उस आठवें सिर को ऊँचा उठाते हैं, जो सात में से है।

क्योंकि देखो, तेरे शत्रु कोलाहल मचाते हैं; और जो तुझ से बैर रखते हैं उन्होंने सिर उठा लिया है। उन्होंने तेरे लोगों के विरुद्ध कपट से मशविरा किया है, और तेरे छिपे हुए जनों के विरोध में सम्मति की है। उन्होंने कहा, आओ, हम उन्हें एक जाति होने से मिटा दें, कि इस्राएल का नाम फिर स्मरण में न रहे। भजन संहिता 83:2-4.

जब संयुक्त राज्य अमेरिका पशु की प्रतिमा बनाएगा, तो वह स्वरूप में त्रिविध होगी, और साथ ही द्विविध भी होगी। वह चर्च-तंत्र और राज्यकला का द्विविध संयोजन होगी, परन्तु उस राजनीतिक व्यवस्था पर एक ही प्रधान का शासन होगा। आठवाँ राष्ट्रपति पशु की प्रतिमा पर शासन करेगा और उस पर सवार होगा। आठवाँ राष्ट्रपति, जो पहले सात राष्ट्रपतियों में से ही है, बाइबल की भविष्यवाणी के "छठे" राज्य का अंतिम राष्ट्रपति है, और उसे "छठे" राष्ट्रपति के रूप में घातक घाव लगा था।

भविष्यवाणी का 'पाप का मनुष्य' अपने पूरे अस्तित्व के दौरान अजगर के साथ युद्ध में रहा है। डोनाल्ड ट्रंप वह धनी राजा है जिसने वैश्वीकरण के अजगर को उकसाया, और 16 जून, 2015 को न्यूयॉर्क सिटी के ट्रंप टॉवर में राष्ट्रपति

पद के लिए चुनाव लड़ने की अपनी मंशा पहली बार घोषित करने के बाद से वह अजगर की शक्तियों के साथ राजनीतिक, सामाजिक और दार्शनिक युद्ध में रहा है, वही शहर जहाँ 11 सितंबर, 2001 को ट्विन टावर्स ढह गए थे, और वही शहर जहाँ ट्विन टावर्स की जगह बने फ्रीडम टॉवर का 3 नवंबर, 2014 को उद्घाटन किया गया।

शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय, मसीह और एक लाख चवालीस हजार के बीच का विवाह संपन्न हो जाता है, और पृथ्वी के राजाओं के साथ रोम की व्यभिचारिणी का व्यभिचार एक छद्म विवाह में परिणति पाता है। उस रविवार के कानून के समय एदन की वाटिका की जुड़वाँ संस्थाएँ दोनों को ऊँचा उठाया जाता है, और उसी समय एक छद्म द्वारा उन पर एक साथ आक्रमण भी होता है। वे जुड़वाँ संस्थाएँ विवाह और सातवें दिन का सब्त हैं।

जब बाद में फरीसियों ने उनसे तलाक की वैधता के विषय में प्रश्न किया, तो यीशु ने अपने श्रोताओं का ध्यान सृष्टि के समय स्थापित विवाह संस्था की ओर दिलाया। 'तुम्हारे हृदयों की कठोरता के कारण,' उन्होंने कहा, मूसा ने 'तुम्हें अपनी पत्नियों को छोड़ देने की अनुमति दी; परन्तु प्रारम्भ से ऐसा नहीं था।' मत्ती 19:8। उन्होंने उनका ध्यान एदन के धन्य दिनों की ओर दिलाया, जब परमेश्वर ने सब वस्तुओं को 'बहुत अच्छा' ठहराया था। तब विवाह और सब्त का उद्गम हुआ—जुड़वाँ संस्थाएँ जो परमेश्वर की महिमा और मानवता के हित के लिए थीं। तब, जब सृष्टिकर्ता ने पवित्र युगल के हाथ विवाह में मिलाए, यह कहते हुए कि एक पुरुष 'अपने पिता और अपनी माता को छोड़ देगा, और अपनी पत्नी से मिला रहेगा; और वे एक होंगे' (उत्पत्ति 2:24), तब उसने समय के अंत तक आदम की समस्त संतान के लिए विवाह का नियम प्रतिपादित किया। जिसे स्वयं अनन्त पिता ने उत्तम ठहराया था, वही मनुष्य के लिए सर्वोच्च आशीष और विकास का नियम था। आशीषों के पर्वत से विचार, 63.

वह त्रिविध एकता, जिसमें धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद, आत्मवाद और कैथोलिक धर्म रविवार के कानून के समय हाथ मिलाते हैं, एदन में हुए उस विवाह का नकली प्रतिरूप है, जहाँ "सृष्टिकर्ता ने पवित्र युगल के हाथ विवाहबंधन में जोड़े।" रविवार के कानून के समय विवाह और सब्त की जुड़वाँ संस्थाओं को ऊँचा उठाया जाता है, और साथ ही उनका अपवित्रीकरण भी किया जाता है। मुहरबंदी का इतिहास तब शुरू हुआ जब ट्विन टॉवर्स ढह गए, और वह इतिहास तब समाप्त होता है जब विवाह और सब्त की जुड़वाँ संस्थाओं को ऊँचा उठाया जाता है। उसी इतिहास के बीच 2014 में फ्रीडम टॉवर को समर्पित किया गया, और 2015 में ट्रंप टॉवर में ट्रंप द्वारा वैश्वीकरण को उभारने की शुरुआत हुई।

ट्विन टावर्स को ग्लोबलिस्टों के धन-प्रेम की फटकार के रूप में ढहा दिए गए, और फ्रीडम टॉवर स्वर्ग के परमेश्वर और उस न्याय के विरुद्ध निम्नोद के विद्रोह का निरूपण है, जो उन्होंने प्रलय के माध्यम से किया था; ठीक वैसे ही जैसे फ्रीडम टॉवर 11 सितंबर, 2001 को हुए ईश्वर के न्याय के विरुद्ध एक प्रतीक है।

एक अवसर पर, जब मैं न्यूयॉर्क शहर में था, रात्रि के समय मुझे आकाश की ओर मंज़िल पर मंज़िल उठती इमारतें देखने के लिए बुलाया गया। इन इमारतों के अग्निरोधी होने की गारंटी दी गई थी, और उन्हें उनके मालिकों और निर्माताओं की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए खड़ा किया गया था। ये इमारतें ऊँची और उससे भी ऊँची उठती गईं, और उनमें सबसे महँगी सामग्री का उपयोग किया गया। जिनके ये भवन थे, वे अपने आप से यह नहीं पूछ रहे थे: 'हम परमेश्वर की महिमा सर्वोत्तम रूप से कैसे करें?' प्रभु उनके विचारों में नहीं था।

"मैंने सोचा: 'हाय, काश जो लोग इस प्रकार अपने साधनों का निवेश कर रहे हैं, वे अपने मार्ग को वैसे देख पाते जैसे परमेश्वर उसे देखते हैं! वे भव्य इमारतें खड़ी कर रहे हैं, पर ब्रह्मांड के शासक की दृष्टि में उनके मनसूबे और योजनाएँ कितनी मूर्खतापूर्ण हैं। वे हृदय और मन की सारी शक्तियों से यह नहीं विचार कर रहे कि वे परमेश्वर की महिमा कैसे कर सकते हैं। वे इस बात को, जो मनुष्य का प्रथम कर्तव्य है, भुला चुके हैं।'"

जैसे-जैसे ये ऊँची इमारतें खड़ी होती गईं, मालिक महत्वाकांक्षी घमंड के साथ इस बात पर आनंदित हुए कि उनके पास ऐसा धन है, जिसका वे उपयोग स्वयं की तुष्टि में करने और अपने पड़ोसियों में ईर्ष्या भड़काने के लिए कर सकते थे। जिस धन को उन्होंने इस प्रकार निवेश किया, उसका बहुत-सा हिस्सा उगाही से, गरीबों को पीसकर, प्राप्त किया गया था। वे भूल गए कि स्वर्ग में हर व्यावसायिक लेन-देन का हिसाब रखा जाता है; हर

अन्यायपूर्ण सौदा, हर धोखाधड़ी का कार्य, वहाँ दर्ज है। वह समय आने वाला है जब अपनी धोखाधड़ी और उदंडता में मनुष्य एक ऐसे बिंदु तक पहुँचेंगे जिसे प्रभु उन्हें पार करने नहीं देंगे, और वे जानेंगे कि यहोवा की सहनशीलता की भी एक सीमा है। टेस्टिमोनीज़, खंड 9, 12.

निग्रोद की मीनार द्वारा दर्शाया गया विद्रोह परमेश्वर द्वारा जलप्रलय के माध्यम से किए गए हाल ही के न्याय के विरुद्ध था, और यह परमेश्वर के हाल ही के न्याय के विरुद्ध वैश्विकतावादी बैंकरों के विद्रोह का भी प्रतीक था। वैश्विकतावादियों के शब्दकोश में परिभाषित स्वतंत्रता बाइबिलीय स्वतंत्रता से बिल्कुल विपरीत है। ड्रेगन के शब्दकोश में स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता है, जिसका प्रतीक फ्रांसीसी क्रांति की अनैतिकता है।

'महान नगर' जिसकी सड़कों में साक्षियों को मार डाला जाता है, और जहाँ उनके मृत शरीर पड़े रहते हैं, वह 'आध्यात्मिक' रूप से मिस्र है। बाइबल के इतिहास में प्रस्तुत सभी राष्ट्रों में, मिस्र ने सबसे दुस्साहसपूर्वक जीवित परमेश्वर के अस्तित्व का इन्कार किया और उसकी आज्ञाओं का विरोध किया। स्वर्ग के अधिकार के विरुद्ध जितना खुला और उदंड विद्रोह मिस्र के राजा ने किया, उतना किसी भी सम्राट ने कभी नहीं किया। जब यह संदेश यहोवा के नाम से मूसा द्वारा उसे पहुँचाया गया, तो फ़िरौन ने घमंड से उत्तर दिया: 'यहोवा कौन है, कि मैं उसकी वाणी सुनकर इस्राएल को जाने दूँ? मैं यहोवा को नहीं जानता, और इसके अलावा मैं इस्राएल को जाने भी नहीं दूँगा।' निर्गमन 5:2, ए.आर.वी. यह नास्तिकता है, और मिस्र द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया राष्ट्र जीवित परमेश्वर के दावों का ऐसा ही इन्कार मुखर करेगा और अविश्वास तथा विद्रोह की वैसी ही भावना प्रकट करेगा। 'महान नगर' की तुलना 'आध्यात्मिक' रूप से सदोम से भी की गई है। परमेश्वर की व्यवस्था का उल्लंघन करने में सदोम का भ्रष्टाचार विशेष रूप से कामुक उच्छृंखलता में प्रकट हुआ। और यह पाप भी उस राष्ट्र की एक प्रमुख विशेषता होना था, जो इस शास्त्रवचन के वर्णन को पूरा करेगा।

अतः भविष्यद्वक्ता के वचनों के अनुसार, सन 1798 से कुछ पहले शैतानी उत्पत्ति और चरित्र वाली कोई शक्ति बाइबल के विरुद्ध युद्ध छेड़ेगी। और जिस देश में इस प्रकार परमेश्वर के दो साक्षियों की गवाही को मौन करा दिया जाएगा, वहाँ फ़िरौन की नास्तिकता और सदोम की उच्छृंखलता प्रकट होगी।

फ्रांस के इतिहास में इस भविष्यवाणी की अत्यंत सटीक और प्रभावशाली पूर्ति हुई है। क्रांति के दौरान, 1793 में, 'दुनिया ने पहली बार सभ्यता में जन्मे और शिक्षित, और यूरोप की सबसे श्रेष्ठ राष्ट्रों में से एक पर शासन करने का अधिकार अपने हाथ में लेने का दावा करने वाले पुरुषों की एक सभा को, मनुष्य की आत्मा द्वारा स्वीकार किए जाने वाले सबसे गंभीर सत्य का निषेध करने के लिए अपनी संयुक्त आवाज़ बुलंद करते हुए, और सर्वसम्मति से ईश्वर में विश्वास तथा उसकी उपासना का त्याग करते हुए सुना।' —सर वॉल्टर स्कॉट, लाइफ ऑफ नेपोलियन, खंड 1, अध्याय 17. . . .

फ्रांस में भी वे लक्षण प्रकट हुए जो सदोम की विशेष पहचान थे। क्रांति के दौरान वहाँ ऐसा नैतिक पतन और भ्रष्टाचार प्रकट हुआ जैसा समतल प्रदेश की नगरियों के विनाश का कारण बना था। और इतिहासकार ने, जैसा कि भविष्यवाणी में कहा गया है, फ्रांस की नास्तिकता और उच्छृंखलता को साथ-साथ प्रस्तुत किया: "धर्म को प्रभावित करने वाले इन क्रांतीयों से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ वह प्रावधान था, जिसने विवाह के बंधन—जो मनुष्यों द्वारा बनाया जा सकने वाला सबसे पवित्र संकल्प है, और जिसकी स्थायित्वता समाज के सुदृढ़ीकरण में सबसे प्रबल योगदान देती है—को मात्र अस्थायी प्रकृति के एक साधारण नागरिक अनुबंध की स्थिति तक घटा दिया, जिसमें कोई भी दो व्यक्ति अपनी इच्छा से प्रवेश कर सकते थे और मनमर्जी से उसे तोड़ सकते थे.... यदि राक्षस इस काम पर जुट जाते कि गृह-जीवन में जो कुछ भी वंदनीय, सुरुचिपूर्ण या स्थायी है उसे सबसे प्रभावी ढंग से नष्ट करने का उपाय खोजें, और साथ ही यह सुनिश्चित करें कि जिस अनिष्ट को उत्पन्न करना उनका उद्देश्य था वह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक स्थायी बना रहे, तो वे विवाह के अवमूल्यन से अधिक प्रभावी योजना का आविष्कार नहीं कर सकते थे.... सोफ़ी आर्नू, जो अपनी चतुर उक्तियों के लिए प्रसिद्ध एक अभिनेत्री थीं, ने गणतांत्रिक विवाह को 'व्यभिचार का संस्कार' कहा।" —स्कॉट, खंड 1, अध्याय 17। द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी, 269, 270.

न्यूयॉर्क सिटी में स्थित फ्रीडम टावर, जो 2014 में समर्पित किया गया था, केवल निम्नोद की मीनार के विद्रोह का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि यह वैश्विकतावादियों की "स्वतंत्रता" की परिभाषा का भी चिह्न है, जैसा कि उच्छृंखल LGBTQ+ आंदोलन के प्रोत्साहन में प्रकट होता है, जो परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध विद्रोह का प्रतिनिधित्व करता है। सच्ची स्वतंत्रता उस अर्थ के ठीक विपरीत है जिसका वह मीनार प्रतिनिधित्व करती है; किंतु अजगर के अनुयायियों द्वारा अपनाया गया छल का एक शास्त्रीय उपाय यह है कि वे शब्दों और वाक्यांशों को पुनर्परिभाषित कर देते हैं ताकि भ्रांत निष्कर्ष उत्पन्न हों। अजगर एक आदर्श वकील है, और वही शब्द-शिल्पी है जो भाषा को मरोड़कर दुष्ट परिणाम उत्पन्न करता है। परंतु "स्वतंत्रता" शब्द का सच्चा अर्थ वह नहीं है जो एंटीफा की अराजकता, अथवा फ्रांस की क्रांति द्वारा प्रतीकित उच्छृंखलता, प्रदर्शित करती है।

हर वह आत्मा जो अपने को परमेश्वर को समर्पित करने से इनकार करती है, किसी दूसरी शक्ति के नियंत्रण में होती है। वह अपनी नहीं रहती। वह स्वतंत्रता की बातें कर सकती है, पर वह सबसे घोर दासता में है। उसे सत्य का सौंदर्य देखने नहीं दिया जाता, क्योंकि उसका मन शैतान के नियंत्रण में है। जब वह अपने आपको यह समझाकर प्रसन्न करती है कि वह अपने ही विवेक के निर्देशों का पालन कर रही है, तब भी वह अंधकार के प्रधान की इच्छा मानती है। मसीह आत्मा पर से पाप-दासत्व की बेड़ियाँ तोड़ने आए। 'इसलिए यदि पुत्र तुम्हें स्वतंत्र करे, तो तुम वास्तव में स्वतंत्र होगे।' 'मसीह यीशु में जीवन के आत्मा की व्यवस्था' हमें 'पाप और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र करती है।' रोमियों 8:2.

उद्धार के कार्य में कोई जबरदस्ती नहीं है। कोई बाहरी बल का उपयोग नहीं किया जाता। परमेश्वर की आत्मा के प्रभाव में, मनुष्य को यह चुनने के लिए स्वतंत्र छोड़ा जाता है कि वह किसकी सेवा करेगा। जब आत्मा मसीह के सामने समर्पण करती है, तब जो परिवर्तन होता है, उसमें स्वतंत्रता की सर्वोच्च अनुभूति होती है। पाप का निष्कासन स्वयं आत्मा का कार्य है। निःसंदेह, शैतान के नियंत्रण से स्वयं को मुक्त करने की हमारे पास शक्ति नहीं है; परन्तु जब हम पाप से मुक्त होना चाहते हैं, और अपनी बड़ी आवश्यकता में अपने से बाहर और अपने से ऊपर की शक्ति के लिए पुकारते हैं, तो आत्मा की शक्तियाँ पवित्र आत्मा की दिव्य सामर्थ्य से ओत-प्रोत हो जाती हैं, और वे परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने में इच्छा के निर्देशों का पालन करती हैं। *The Desire of Ages*, 466.

फ्रीडम टॉवर द्वारा प्रतीकित स्वतंत्रता दरअसल फ्रांसीसी क्रांति की उच्छृंखलता और निम्नोद के विद्रोह का ही रूप थी। अगले ही वर्ष, ट्रम्प टॉवर में, 1989 के बाद के सबसे धनी राष्ट्रपति ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की, जो वैश्विकतावादियों को हिला देने वाली थी। उसी वर्ष संयुक्त राज्य अमेरिका में संघीय स्तर पर समलैंगिक विवाह को मंजूरी दी गई, जैसा कि फ्रांस की क्रांति में हुआ था जब उन्होंने विवाह को 'केवल अस्थायी प्रकृति का एक नागरिक अनुबंध' में बदल दिया था।

अजगर और सर्वाधिक धनी राष्ट्रपति के बीच का युद्ध प्रारम्भ कर दिया गया। परमेश्वर की सामर्थ्य के स्पर्श से हुए ट्विन टावर्स के विनाश ने मुहर-लगने के काल के आरम्भ और इस्लाम के अथाह कुंड से आने वाले पशु के आगमन को चिह्नित किया। उस भविष्यवाणीमय इतिहास के मध्य, फ्रीडम टावर्स के समर्पण-समारोह में, नास्तिकता के अथाह कुंड से आने वाले पशु का आगमन चिह्नित होता है। अब, एदन की वाटिका में स्थापित सब्त और विवाह की युग्म संस्थाओं का पतन, मुहर-लगने के काल की समाप्ति और अथाह कुंड से आने वाले तीसरे, कैथोलिक पशु के आगमन को चिह्नित करता है।

3 नवंबर 2020 को ट्रंप को वैसी ही घातक राजनीतिक चोट लगी जैसी 1798 में पोपतंत्र को लगी थी। यह चोट 1798 में शाब्दिक फ्रांस ने पहुँचाई थी, और 2020 में आध्यात्मिक फ्रांस ने।

और जब वे अपनी गवाही पूरी कर लेंगे, तब वह पशु जो अथाह कुंड से ऊपर आता है, उनके विरुद्ध युद्ध करेगा, और उन पर जय पाएगा, और उन्हें मार डालेगा। और उनकी मृत देहें उस बड़े नगर की सड़क पर पड़ी रहेंगी, जो आत्मिक रीति से सदोम और मिस्र कहलाता है, जहाँ हमारे प्रभु को भी क्रूस पर चढ़ाया गया था। प्रकाशितवाक्य

11:7, 8.

'द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी' में, सिस्टर वाइट फ्रांस को 'वह महान नगर जहाँ हमारे प्रभु को क्रूस पर चढ़ाया गया था' के रूप में बताती हैं।

"तब, भविष्यवक्ता के वचनों के अनुसार, सन् 1798 से कुछ पहले शैतानी उत्पत्ति और स्वभाव वाली एक शक्ति बाइबल के विरुद्ध युद्ध करने के लिए उठ खड़ी होगी। और जिस देश में परमेश्वर के दो साक्षियों की गवाही इस प्रकार मौन कर दी जाएगी, वहाँ फिरौन की नास्तिकता और सदोम की उच्छृंखलता प्रकट होंगी।" महान विवाद, 270.

संयुक्त राज्य अमेरिका में शीघ्र आने वाले रविवार के क्रानून के समय पशु की छवि पूर्णतः निर्मित हो जाएगी, और जिनमें मसीह की छवि पूर्णतः निर्मित हो चुकी होगी, उन्हें परमेश्वर के ध्वज के रूप में ऊँचा उठाया जाएगा। ध्वज के रूप में वे सातवें दिन के सब्त को प्रतिष्ठित करेंगे और संसार के समक्ष मसीह की धार्मिकता को प्रकट करेंगे। मसीह की धार्मिकता केवल देवत्व और मानवत्व के संयोजन से ही सिद्ध होती है, और इसी महान सत्य के भीतर, जिसे एक रहस्य के रूप में परिभाषित किया गया है, विवाह की संस्था को ऊँचा उठाया जाता है। यह ध्वज सब्त और उसकी युग्म संस्था विवाह का प्रतिनिधित्व करता है।

क्योंकि पति पत्नी का प्रधान है, जैसे मसीह कलीसिया का प्रधान है; और वही देह का उद्धारकर्ता है। इसलिए जैसे कलीसिया मसीह के अधीन है, वैसे ही पत्नियाँ हर बात में अपने-अपने पतियों के अधीन रहें। पतियों, अपनी पत्नियों से प्रेम करो, जैसे मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम किया और उसके लिए अपने आप को दे दिया; ताकि वह वचन के द्वारा जल के धोने से उसे पवित्र और शुद्ध कर दे, और उसे अपने लिए एक महिमामय कलीसिया के रूप में प्रस्तुत करे, जिसमें न दाग हो, न झुर्रि, न कोई ऐसी बात; परन्तु वह पवित्र और निर्दोष हो। इसी प्रकार पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पत्नियों से अपने स्वयं के शरीर की भाँति प्रेम करें। जो अपनी पत्नी से प्रेम करता है वह अपने आप से प्रेम करता है। क्योंकि किसी ने कभी अपने शरीर से बैर नहीं किया, परन्तु वह उसे पालता-पोषता और स्नेह करता है, जैसे प्रभु कलीसिया के साथ करता है; क्योंकि हम उसके शरीर के, उसके मांस के और उसकी हड्डियों के अंग हैं। इसी कारण मनुष्य अपने पिता और माता को छोड़कर अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा, और वे दोनों एक देह होंगे। यह भेद बड़ा है; पर मैं मसीह और कलीसिया के विषय में कहता हूँ। इफिसियों 5:23-32.

ध्वज सब्त और विवाह की युगल संस्थाओं का प्रतीक है, और विवाह देवत्व तथा मानवत्व के संयोग का द्योतक है। उस विवाह का रहस्य उसकी कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है, जो उसका मन्दिर है।

"मीनार मंदिर का प्रतीक थी।" युगों की अभिलाषा, 596.

मुद्रांकन-काल के आरम्भ में ट्विन टावर्स ध्वस्त हुए; मुद्रांकन-काल के मध्य में, (दोनों सींगों के लिए) दो वर्गों को अलग करने की प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करने वाले दो "टावर" चिह्नित किए गए; और मुद्रांकन-काल के अंत में, परमेश्वर के मंदिर और सब्त के ट्विन टावर्स अन्यजातियों के लिए एक पताका के रूप में ऊँचे उठाए जाएँगे।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

क्योंकि सेनाओं के प्रभु का दिन हर एक अभिमानी और ऊँचे पर, और हर एक जो ऊपर उठाया गया है, पर आएगा; और वह नीचा किया जाएगा: और लेबानोन के सब देवदारों पर, जो ऊँचे और उठे हुए हैं, और बाशान के सब बलूतों पर; और सब ऊँचे पहाड़ों पर, और सब ऊँची की हुई पहाड़ियों पर; और हर एक ऊँचे मीनार पर, और हर एक घिरी हुई दीवार पर; और तरशीश के सब जहाज़ों पर, और सब मनोहर चित्रों पर। और मनुष्य की ऊँचाई झुका दी जाएगी, और मनुष्यों का घमंड नीचा किया जाएगा; और उसी दिन अकेला प्रभु ही उच्च ठहराया जाएगा। और वह मूर्तियों का पूरी तरह अंत कर देगा। और वे प्रभु के भय और उसकी महिमा के तेज के कारण, जब वह पृथ्वी को भयंकर रूप से हिलाने को उठेगा, चट्टानों की बिलों में, और पृथ्वी की गुफाओं में चले जाएँगे।

उसी दिन मनुष्य अपनी चाँदी की मूर्तियाँ और अपनी सोने की मूर्तियाँ, जिन्हें हर एक ने अपने लिए पूजा करने को बनाया था, छछूंदरों और चमगादड़ों के पास फेंक देगा; ताकि वह उबड़-खाबड़ चट्टानों की दरारों में, प्रभु के भय और उसकी महिमा के तेज के कारण, जब वह पृथ्वी को भयंकर रूप से हिलाने को उठेगा, चला जाए। मनुष्य से बाज आओ, जिसका श्वास उसकी नासिकाओं में है; क्योंकि वह किस बात में गिनने योग्य है? यशायाह 2:12-22.

वह मेरी करुणा और मेरा गढ़ है; मेरा ऊँचा गढ़ और मेरा छुड़ानेवाला; मेरी ढाल, और वही है जिस पर मैं भरोसा करता हूँ; जो मेरी प्रजा को मेरे अधीन करता है। भजन संहिता 144:2.